BECE-214

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

February, 2021

ELECTIVE COURSE : ECONOMICS

BECE-214 : AGRICULTURAL DEVELOPMENT IN INDIA

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer the questions as per the instructions given for each section.*

SECTION A

(Long Answer Type Questions)

*Answer any **two** questions from this section.* *2×20=40*

1. Explain the importance of 'Crop Diversification' as a strategy for addressing the major challenges of Indian agriculture.

2. What are the arguments advanced for subsidies to agriculture ? Discuss the various subsidies to promote the economic status of farmers in the country.

3. What are the main problems of agricultural marketing in India ? Examine the steps taken by the Government to make the marketing system more efficient.

4. Describe the different modes of irrigation. Why is the issue of pricing of irrigation water important ?

SECTION B
(Medium Answer Type Questions)

*Answer any **five** questions from this section.* *5×12=60*

5. How is 'Market Access' an area of international concern in agricultural trade ?

6. Explain the functions of 'Commission on Agricultural Costs and Prices'. What were the circumstances under which it was set up ?

7. What are the causes of low agricultural productivity in India ? Examine the role of technological improvements in promoting agricultural productivity.

8. Point out the prospects of agro-processing industries in rural India.

9. Discuss the major differences between Green Revolution and GM technology.

10. What are the main features of agricultural labour in India ? What programmes are being implemented to improve their livelihood status ?

11. Discuss the role of Panchayati Raj Institutions after the Constitution Amendment Act, 1992.

12. Critically evaluate the measures to bring about a change in the land relations in India since independence. What were the weaknesses of these measures ?

13. Write short notes on any ***two*** of the following :

(a) Soil Erosion

(b) Farm Size Hypothesis

(c) Type-E and Type-F Errors

(d) Risk Management Under NAIS

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

फरवरी, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र

बी.ई.सी.ई.-214 : भारत में कृषिक विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक भाग में दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

भाग क
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

*इस भाग से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।* *2×20=40*

1. भारतीय कृषि की मुख्य चुनौतियों का सामना करने की युक्ति के रूप में 'फ़सल विविधीकरण' का महत्त्व समझाइए ।

2. कृषि को साहाय्य दिलवाने के लिए क्या तर्क दिए जाते हैं ? देश में कृषकों के आर्थिक स्तर को सुधारने के लिए दिए जा रहे विभिन्न साहाय्यों पर चर्चा कीजिए ।

3. भारत में कृषि विपणन की मुख्य समस्याएँ क्या हैं ? सरकार द्वारा विपणन व्यवस्था को अधिक दक्ष बनाने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा कीजिए ।

4. सिंचाई के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए । सिंचाई जल की कीमत-निर्धारण का मुद्दा क्यों महत्त्वपूर्ण होता है ?

भाग ख
(मध्यम उत्तरीय प्रश्न)

*इस भाग से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।* *5×12=60*

5. कृषि व्यापार में 'बाज़ार तक पहुँच' का प्रश्न एक महत्त्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दा कैसे है ?

6. 'कृषि लागतों और कीमतों पर आयोग' के कार्यों की व्याख्या कीजिए । यह किन परिस्थितियों में गठित किया गया था ?

7. भारत में निम्न कृषिक उत्पादकता के क्या कारण हैं ? कृषिक उत्पादकता संवर्धन में प्रौद्योगिकीय सुधारों की भूमिका की समीक्षा कीजिए ।

8. ग्रामीण भारत में कृषिक प्रसंस्करण उद्योगों के लिए संभावनाएँ बताइए ।

9. 'हरित क्रांति' एवं 'जैव-संशोधन प्रौद्योगिकी' में मुख्य अंतरों पर चर्चा कीजिए ।

10. भारतीय कृषिक श्रम की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? उनकी आजीविका प्रावस्था सुधारने के लिए क्या कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं ?

11. संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के बाद से पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए ।

12. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत में भू-संबंधों में परिवर्तन लाने के लिए किए गए उपायों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । इन उपायों की त्रुटियाँ क्या थीं ?

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मृदा-क्षरण

(ख) 'जोत का आकार' अवधारणा

(ग) E-प्रकार तथा F-प्रकार की त्रुटियाँ

(घ) NAIS (राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना) के अंतर्गत जोख़िम प्रबंधन